छायावादी स्तंभकार काशी के कलाधर जयशंकर प्रसाद की जयंती

गुरु नानक महाविद्यालय के हिंदी विभाग के द्वारा 30/01/25 को रुसा सेमिनार हॉल में 'काशी के कलाधर' विषय पर जयशंकर प्रसाद जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद ने जयशंकर प्रसाद की छायाचित्र पर श्रद्धा-सुमन अर्पित करके किया। सरस्वती वंदना के पश्चात कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने जयशंकर प्रसाद की कविताओं - 'अरुण यह मधुमय देश हमारा', 'हिमाद्री तुंग श्रृंग', 'बीती विभावरी जाग री', 'आँसू' इत्यादि का पाठ करके समाँ बाँधा। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य महोदय ने छात्र-छात्राओं को नेतृत्व-कला निखारने की दिशा में प्रेरित किया। कक्षा में उपस्थिति के अलावा हुनर को तराशने के लिए हिंदी विभाग के शिक्षकों की सराहना करते हुए उन्होंने छात्र-छात्राओं की प्रस्तुति की भी भूरि-भूरि प्रशंसा की। प्रोफेसर इंचार्ज(भूदा कैंपस) प्रोफेसर अमरजीत सिंह ने छायावादी कवि जानकी वल्लभ शास्त्री जी को स्मरण करते हुए उनके साहित्यिक अवदानों पर भी विस्तृत प्रकाश डाला।कार्यक्रम में प्रो. दीपक कुमार, प्रो. दलजीत सिंह, प्रो. पीयूष अग्रवाल,प्रो. एकता श्रीवास्तव, प्रो. सुरभि काशयप्, प्रो. राशि पोद्दार, प्रो. मनीषा कुमारी, प्रो. मुकेश कुमार, प्रो. सपना गुप्ता, सुश्री नुश्रत् परवींन, सहित अन्य शिक्षक एवं शिक्षकेत्तरकर्मियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सिमरन श्रीवास्तव ने एवं धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष प्रो. सोनू प्र. यादव ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

Picture Gallery

GPS Map Camera
Dhanbad, Jharkhand, India
Shitala Colony Rd, Bhuda Colony, Dhanbad, Jharkhand 828124, India
Lat 23.782978° Long 86.448795°
30/01/25 12:53 PM GMT +05:30
Google

गुरु नानक कॉलेज,
विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय,धनबाद
प्राप्त डिग्री महाविद्यालय
NAAC द्वारा प्रत्यायित, ग्रेड-बी
काशी के कला
जयशंकर प्रसाद जयं
दिनांक 30.01.20
स्थान:- रूसा सेमिनार हॉल
समय

जयशंकर प्रसाद की जयंती पर कविता पाठ, कला निखारने के लिए किया गया प्रेरित

धनबाद | गुरु नानक महाविद्यालय धनबाद में गुरुवार को हिंदी विभाग की ओर से जयशंकर प्रसाद की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का विषय काशी के कलाधर था। इसकी शुरुआत प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद ने जयशंकर प्रसाद की छायाचित्र पर श्रद्धा-सुमन अर्पित कर किया। सरस्वती वंदना के बाद छात्र-छात्राओं ने जयशंकर प्रसाद की कविताओं अरुण यह मधुमय देश हमारा, हिमाद्री तुंग श्रृंग, बीती विभावरी जाग री, आंसू आदि का पाठ कर समां बांधा। प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं को नेतृत्व-कला निखारने की दिशा में प्रेरित किया। मौके पर प्रो अमरजीत सिंह, प्रो. दीपक कुमार, प्रो. दलजीत सिंह, प्रो. पीयूष अग्रवाल, प्रो. एकता श्रीवास्तव, प्रो. सुरभि काशयप, प्रो. राशि पोद्दार, प्रो. मनीषा कुमारी, प्रो. मुकेश कुमार, प्रो. सपना गुप्ता, प्रो. सिमरन श्रीवास्तव, प्रो. सोनू प्रसाद यादव, नुशरत परवीन आदि थे।